संस्थान समाचार

ज्योतित हो जन-जन का जीवन
केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी) संस्था और उसके केंद्रों की समाचार पत्रिका

■ प्रकाशन : वर्ष : 12 ■ अंक : 80 ■ अप्रैल-जून 2026 । त्रैमासिक

नवनियुक्त निदेशक प्रो. हरिशंकर का केंद्र पर स्वागत

दिनांक 19.05.2026 को संस्थान के नवनियुक्त निदेशक प्रो. हरिशंकर का केंद्र पर पुष्पगुच्छ एवं पटका से स्वागत किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय हिंदी शिक्षण मण्डल के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र दुबे सहित समस्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्मिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे सहित सभी कार्मिकों ने प्रो. हरिशंकर का स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो. सुरेंद्र दुबे ने कहा कि प्रो. हरिशंकर के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संस्थान की शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनके अनुभव, कार्यकुशलता एवं नेतृत्व क्षमता से संस्थान निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होगा। इस अवसर पर प्रो. हरिशंकर ने सभी के स्नेह, सम्मान एवं शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

“वसुधैव कुटुंबकम्” के संदेश से सजा सत्रांत समारोह

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभाग द्वारा सत्र 2025–26 के लिए आज दिनांक 30-04-2026 को सत्रांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें 20 देशों के 103 विद्यार्थियों, विद्वानों, राजनयिकों, शिक्षकों एवं प्रशासनिक कार्मिकों की गरिमामय उपस्थिति रही। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे ने कार्यक्रम में अध्यक्षीय वक्तव्य के रूप में “अप्प दीपो भव” के माध्यम से हिंदी की ललक को बनाए रखने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार जोशी ने भारत की गुरु शिष्य परंपरा की महत्ता के साथ विदेशी विद्यार्थियों के अर्जित हिंदी ज्ञान को अपने-अपने देशों में प्रचारित करने पर जोर दिया। संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर चाड के प्रथम सचिव जिमितोला कोजिनान ने “वसुधैव कुटुंबकम्” के अर्थ को समझाया। इनके साथ ही मंचासीन अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जोगेंद्र सिंह मीणा ने विभाग की उपलब्धियों और विदेशी विद्यार्थियों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. अपर्णा सारस्वत ने दिल्ली केंद्र पर अध्ययनरत विदेशी विद्यार्थियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुरुषोत्तम पाटील ने कुशलतापूर्वक किया।

इस कार्यक्रम में विभाग की विद्यार्थी केंद्रित पत्रिका हिंदी विश्व भारती का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह में चाड, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका और जापान के विद्यार्थियों ने बहुत ही कुशलता से हिंदी में अपने विचार प्रस्तुत किए। विदेशी विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सत्रांत समारोह 2025–26

समारोह में दिल्ली केंद्र की क्षेत्रीय निदेशक प्रो. अपर्णा सारस्वत तथा केंद्र के सभी अध्यापक विद्यार्थियों सहित उपस्थित रहे। सत्रांत समारोह के इस शुभ अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभाग की आगरा एवं दिल्ली केंद्र की छात्र पत्रिका ‘हिंदी विश्व भारती 2025-26’ का विमोचन किया गया। यह कार्य समारोह के विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्पन्न हुआ।

अंत में डॉ. परमान सिंह द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

शिक्षा एक अनवरत एवं गतिशील प्रक्रिया है सत्रांत समारोह

केंद्रीय हिंदी संस्थान के अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय सभागार में अध्यापक शिक्षा विभाग के शैक्षिक सत्र 2025-26 के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के लिए सत्रांत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यापक शिक्षा विभाग के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा वंदे मातरम एवं संस्थान गीत के गायन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान एवं प्रो. सुरेंद्र दुबे, उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल,आगरा द्वारा अतिथियों का स्वागत उत्तरीय, स्मृति चिह्न एवं पौधे देकर किया गया। प्रो. चंद्रकांत कोठे, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग ने स्वागत वक्तव्य, संस्थान एवं विभागीय परिचय देते हुए कहा कि केंद्रीय हिंदी संस्थान लघु विश्व और एक लघु भारत का नेतृत्व करने वाला संस्थान है। डॉ. तस्मीना हुसैन, एसोसिएट प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा विभाग ने शैक्षिक सत्र 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंचस्थ अतिथियों द्वारा अध्यापक शिक्षा विभाग की वार्षिक पत्रिका ‘समन्वय’ का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मंचस्थ विद्वानों द्वारा सूचना एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निर्मित “संकेत स्थल” वेबसाइट, परियोजना विभाग की पुस्तक “भाषा प्रौद्योगिकी” तथा अनुसंधान एवं भाषा विकास विभागकी पुस्तक “मानव बनाम मशीन अनुवाद की समकालिकता” पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों सागरिका बरूआ, नूर नेहा बेगम, सुमिता सुंदरम, बासुदेव दास, अथुई जेलियांग एवं टीनुवपांग द्वारा प्रतिक्रियाएँ व्यक्त की गयी। इस दौरान मंचस्थ अतिथियों द्वारा विभाग में आयोजित विभिन्न

शेष पृष्ठ 7 पर

वंदे मातरम् सामूहिक गीत कार्यक्रम

अध्यापक शिक्षा विभाग द्वारा 'वंदे मातरम्' गीत कार्यक्रम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्थान के अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय सभागार में 'वंदे मातरम्' सामूहिक गीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री अनुज ठाकुर (ब्रज प्रान्त संगठन मंत्री, अ.भा.वि.प.), श्री रजत जोशी, श्री सागर राणा, श्री दीपक कश्यप तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थें।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. हरिशंकर (शैक्षिक समन्वयक) ने कार्यक्रम के संबंध में कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत में जो भाव हैं, हमें उनका अनुशीलन करना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. चंद्रकांत कोठे, (विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग) ने मुख्य अतिथि एवं समस्त ए.बी.वी.पी. के पदाधिकारियों का स्वागत एवं परिचय देकर संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय 'वंदे मातरम्' गीत के माध्यम से लोगों में ऊर्जा का संचार किया गया।

आने वाली पीढ़ी को इस गीत के महत्व को समझकर आत्मसात करना आवश्यक है। इस गीत में अंतर्निहित भावों को आत्मसात कर हम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी केविजन विकसित भारत@2047 अभियान में योगदान दे सकते हैं। इस कार्यक्रम में अध्यापक शिक्षा विभाग के हिंदी शिक्षण पारंगत के शिक्षक प्रशिक्षणार्थी मुहम्मद आरिफ(पश्चिम बंगाल) ने कहा कि 'वंदे मातरम्' एक गीत नहीं, वह एक मंत्र है जिसने भारत को आजादी दिलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

हिंदी शिक्षण प्रवीण (द्वितीय वर्ष) की शिक्षक प्रशिक्षणार्थी अथुई जेलियांग (नागालैंड) ने कहा कि इस गीत के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत एकता के सूत्र में बँधा हुआ है।

उद्बोधन एवं विचार अभिव्यक्ति के पश्चात सभागार में उपस्थित समस्त मंचासीन सदस्यों तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों, शैक्षिक एवं प्रशासनिक सदस्यों, शिक्षक प्रशिक्षणार्थियोंतथा अन्य विद्यार्थियों द्वारा 'वंदे मातरम्' गीत का सामूहिक गायन किया गया।

भारतीय भाषाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) साधित शिक्षण तकनीकें' पर कार्यशाला आयोजित

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के परियोजना विभाग द्वारा 20-23 अप्रैल, 2026 तक आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP-2020) के आलोक में भारतीय भाषाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) साधित शिक्षण तकनीकें" विषय पर चार दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन सत्र दिनांक 20 अप्रैल, 2026 को माननीय निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

यह कार्यशाला- "भारतीय दृष्टिकोण से पाश्चात्य अधिगम सिद्धांतों एवं शिक्षाशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक तथा समाजशास्त्रीय सिद्धांतों पर चिंतन एवं विमर्श'' विषयक परियोजना के अंतर्गत पहली कार्यशाला है। उद्घाटन सत्र में परियोजना विभाग के अध्यक्ष प्रो. धनजी प्रसाद ने सभी अतिथि विद्वानों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा से आवश्यक तत्त्वों का समावेश करते हुए तकनीकी और एआई के अनुप्रयोग की संभावनाओं की खोज करना है। कार्यशाला में प्रो. गिरीश नाथ झा, प्रो. अतुल मायागिरी गोसाईं, डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रो. बी.पी. सिंह, डॉ. गायत्री कपिल, डॉ. कामेश्वर सिंह, डॉ. राजेंद्र वर्मा, डॉ. स्नेहलता, डॉ हर्षलता पेटकर, डॉ. सी. जयशंकर बाबु, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. अंकुश तुलसीराम औंधकर तथा प्रो. शिल्पी कुमारी सहित अनेक विद्वान सहभागी रहे।

संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित

एमएमटीटीसी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा 11 से 16 मई 2026 को 'उच्च शिक्षा में शोध के आधुनिक आयाम' विषय पर संकाय संवर्धन कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया।

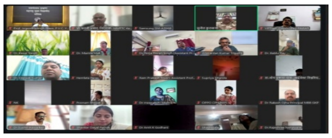

कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 11 मई 2026 को प्रातः 10:30 बजे से आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रोफेसर सुनील बाबुराव कुलकर्णी द्वारा की गई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में यशवंत राव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नासिक के प्रति कुलपति प्रोफेसर जोगेंद्र सिंह बिसेन उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में अपने स्वागत वक्तव्य में एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. धनजी प्रसाद ने मुख्य अतिथि एवं माननीय अध्यक्ष महोदय को कार्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रतिभागियों की संख्या से परिचित कराया।

सभी का औपचारिक स्वागत करते हुए सूचित किया कि भिन्न-भिन्न विषयों के विशिष्ट विशेषज्ञों को इस कार्यक्रम में व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर बिसेन ने अपने बीज वक्तव्य में कहा कि आधुनिक समय में दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। उसके अनुरूप कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए हमें अपनी शोध पद्धतियों और शोध प्रक्रिया को आधुनिकता से जोड़ना होगा। अपने अध्यक्षीय के उद्बोधन में केंद्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक प्रो. कुलकर्णी ने सभी प्रतिभागियों से ऑनलाइन होते हुए भी आवासीय पद्धति की तरह ही लगातार सचेतन होकर जुड़े रहने और वक्ताओं से नई बातों को सीखने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। सहायक तकनीकी निदेशक डॉ. मयंक त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

14 अप्रैल, 2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के अध्यापक शिक्षा विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय सभागार में किया गया।

प्रो. चंद्रकांत कोठे (विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा) ने स्वागत वक्तव्य तथा संस्थान का परिचय देकर संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के योगदान को स्मरण करने का दिन है उन्होंने समाज में भेदभाव मिटाने, बंधुत्व स्थापित करने, सामूहिकता एवं सद्भाव बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम को सान्निध्य प्रदान करते हुए प्रो. हरिशंकर, शैक्षिक समन्वयक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि अंबेडकर जी जाति बंधनों से मुक्त हैं उन्होंने पूरे देश को करुणा और प्रेम का संदेश दिया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुरेश शेळके, हिंदी विभाग, नागनाथ कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, औंढा नागनाथ (महाराष्ट्र) ने उद्बोधन में कहा कि अंबेडकर जी की जयंती उनके जीवित रहते मनाई गई थी, यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि उनके नाम का अभिवादन "जय भीम" उनकी व्यापकता और महानता को दर्शाता है। प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में "हो गए बहुत, होंगे बहुत, लेकिन उनके जैसा कोई नहीं" के माध्यम से कहा कि अंबेडकर के व्यक्तित्व के विभिन्न आयाम हैं।

जिसने जिस रूप में उन्हें देखा, उसे वैसा ही दिखाई दिया। आज उनके व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों को पढ़ने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में विभिन्न भीम गीतों को भी प्रस्तुत किया गया।

हिंदी शिक्षण : बदलते परिप्रेक्ष्य, उभरती संभावनाएँ

लघु-बजटीय संगोष्ठी आयोजित

जे.ई.एस. महाविद्यालय, जालना के हिंदी विभाग और केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 6 अप्रैल 2026 को "हिंदी शिक्षण : बदलते परिप्रेक्ष्य, उभरती संभावनाएँ" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, महाराष्ट्र प्रांत के अध्यक्ष माननीय श्री प्रदीप खेडकर ने कहा कि बदलते समय के अनुसार विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन करना आवश्यक है तथा नई शिक्षा नीति के अनुरूप कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देना समय की मांग है। उन्होंने बताया कि तकनीक का उपयोग अब शिक्षा में अनिवार्य हो गया है और इसके लिए अनेक साधन विद्यार्थियों के हाथों में उपलब्ध हैं। इन साधनों का उपयोग रचनात्मक कार्यों के लिए किया जाना चाहिए, क्योंकि इनके दुरुपयोग की प्रवृत्ति भी देखने को मिल रही है। ऐसे में शैक्षणिक मूल्य और नैतिकता को बनाए रखना शिक्षा क्षेत्र के सामने एक नई चुनौती के रूप में उभर रहा है।

बीज वक्ता के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक डॉ. सुनील कुळकर्णी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अब शिक्षा से जुड़े सभी घटकों को पारंपरिक साधनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विकसित हो रही तकनीक से भयभीत होने के बजाय उसका सकारात्मक उपयोग कर शिक्षा को अधिक सरल, प्रभावी और समाजोपयोगी बनाने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी परिवेश में हिंदी शिक्षण अधिक गतिशील हो गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्मार्ट कक्षाएँ, ऑनलाइन साधन और डिजिटल सामग्री के समावेश से शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी और छात्र-केंद्रित बन रही है। इससे विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, विश्लेषणात्मक क्षमता और संप्रेषण कौशल का विकास संभव हो रहा है। इस अवसर पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय की प्रबंधन परिषद की सदस्या डॉ. अपर्णा पाटील, एम.एस.पी. कॉलेज, मानोरा के प्राचार्य डॉ. नंदकुमार ठाकरे भी उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गणेश अग्निहोत्री ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा में नवाचार, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समन्वय समय की आवश्यकता है तथा शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को बदलते परिप्रेक्ष्य के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नानासाहेब गोरे ने विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक एवं शोधपरक गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुजाता रगड़े ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रा. किशोर खरात ने किया।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में "अध्ययन-अध्यापन में तकनीकी कौशलों का उपयोग" विषय पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. आनंद पाटील ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इसके साथ ही केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के प्रो. धनजी प्रसाद "अनुसंधान के परिवर्तित क्षेत्र और कृत्रिम मेधा का उपयोग" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. सुरेश मुंढे द्वारा की गई तथा डॉ. शिवाजी सांगोळे की प्रमुख उपस्थिति रही। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में प्राध्यापकों, शोध मार्गदर्शकों एवं शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्रों का वाचन किया गया।

संगोष्ठी का समापन समारोह जालना एज्युकेशन सोसायटी के उपाध्यक्ष माननीय फुलचंद जी भक्कड़ की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के माननीय उपेंद्र भाऊ कुळकर्णी तथा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर के प्रांत महामंत्री एवं अध्यक्ष डॉ. दिलीप अर्जुने भी उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम में भारी संख्या में विद्यार्थी एवं अध्यापकगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

परंपरा की जड़ें, प्रौद्योगिकी के पंख

समय का प्रवाह कभी ठहरता नहीं। वह अपने साथ नवीन संभावनाओं, चुनौतियों और परिवर्तनों का एक विस्तृत संसार लेकर चलता है। प्रत्येक युग अपने उपकरण गढ़ता है, परंतु उसकी दिशा और दृष्टि उन मूल्यों से निर्धारित होती है, जिन्हें वह अपनी सांस्कृतिक चेतना से ग्रहण करता है। आज का समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) के अभूतपूर्व विस्तार का युग है। यह केवल तकनीकी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि ज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान और संवाद की नई संभावनाओं का उद्घोष भी है। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि कोई भी तकनीक तभी सार्थक बनती है, जब वह मानवीय संवेदनाओं, सांस्कृतिक चेतना और जीवन-मूल्यों से अनुप्राणित हो। इसी कारण भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी का समन्वय आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बनकर उभर रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा ने सदैव ज्ञान को केवल सूचना का संचय नहीं माना, बल्कि आत्म-विकास, लोकमंगल और समग्र जीवन-दृष्टि का माध्यम स्वीकार किया है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति में विवेक, करुणा, सृजनशीलता और उत्तरदायित्व का विकास है। दूसरी ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षण को अधिक सुलभ, वैयक्तिक, बहुभाषिक और प्रभावी बनाने की अपार क्षमता रखती है। यदि इन दोनों धाराओं का समुचित समन्वय स्थापित किया जाए तो शिक्षा केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित न रहकर मानवीय मूल्यों से संपन्न ज्ञान-सृजन की दिशा में अग्रसर हो सकती है।

इसी दृष्टि को साकार करने की दिशा में केंद्रीय हिंदी संस्थान के परियोजना विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में भारतीय भाषाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता साधित शिक्षण तकनीकें' विषय पर आयोजित कार्यशाला विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। इस कार्यशाला में भारतीय भाषाओं के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की संभावनाओं, भाषा-शिक्षण की नवीन पद्धतियों, डिजिटल संसाधनों तथा भविष्य की शिक्षण रणनीतियों पर गंभीर विमर्श हुआ। यह आयोजन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि भारतीय भाषाएँ तकनीकी युग में न केवल अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकती हैं, बल्कि ज्ञान-विस्तार की अग्रणी वाहक भी बन सकती हैं।

इसी क्रम में हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी : हिमालयी लोक ज्ञान के आयाम' ने भारतीय संस्कृति की उस जीवंत परंपरा की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट किया, जो लोकजीवन, प्रकृति, अनुभव और सामुदायिक स्मृति में आज भी सुरक्षित है। हिमालयी लोकज्ञान केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, सामाजिक सहअस्तित्व, जीवन-कौशल और सांस्कृतिक निरंतरता का ऐसा ज्ञान-संसार है, जो वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है। इस प्रकार यह संगोष्ठी भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और समकालीन संदर्भों में उसके पुनर्पाठ की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुई।

वर्तमान अंक में प्रकाशित विविध गतिविधियाँ इस तथ्य की पुष्टि करती हैं कि केंद्रीय हिंदी संस्थान अपनी स्थापना के उद्देश्यों के अनुरूप निरंतर समय की मांग और समाज की अपेक्षाओं के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण कर रहा है। भाषा, साहित्य, संस्कृति, अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक नवाचारों से संबंधित विविध आयोजन इस सतत यात्रा के साक्षी हैं। इन गतिविधियों में जहाँ आधुनिक तकनीक के अभिनव प्रयोगों का स्वागत है, वहीं भारतीय ज्ञान-संपदा के संरक्षण और प्रसार का दायित्व भी समान रूप से निहित है।

आवश्यकता इस बात की है कि हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता को केवल तकनीकी सुविधा के रूप में न देखें, बल्कि उसे भारतीय ज्ञान-दृष्टि के आलोक में मानवीय, नैतिक और सांस्कृतिक संवेदनाओं से संपन्न करें। जब प्रौद्योगिकी को परंपरा का विवेक और परंपरा को प्रौद्योगिकी की गति प्राप्त होगी, तभी शिक्षा का भविष्य अधिक समावेशी, सृजनशील और मानव-केंद्रित बन सकेगा। यही समन्वित दृष्टि भारत की ज्ञान-परंपरा की आत्मा भी है और विकसित भारत के निर्माण की आधारभूमि भी।

इसी विश्वास के साथ संस्थान समाचार का यह अंक पाठकों को समर्पित है।

(प्रो. हरि शंकर)
निदेशक

एमएमटीटीसी, कें.हिं.सं., आगरा द्वारा "गुरु दक्षता" (संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम-FIP) का आयोजन

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा ऑनलाइन 'गुरु दक्षता' (संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

25 मई 2026 से 20 जून 2026 तक आयोजित इस उच्चस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों से लगभग 60 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के उद्घाटन एवं परिचय सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान के भूतपूर्व निदेशक प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उन्होंने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के विभिन्न पहलुओं को रेखांकित करते हुए शिक्षण में सत्यनिष्ठा, नैतिक मूल्यों के समावेश पर विशेष बल दिया।

उन्होंने कहा कि और भारतीय ज्ञान परंपरा इस दिशा में हमारा आत्मिक मार्गदर्शन करती है।

सत्र की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र दुबे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की महती भूमिका का उल्लेख किया।

उन्होंने उच्च शिक्षा में आईसीटी (ICT) टूल्स और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग को आवश्यक बताते हुए कहा कि 'गुरु दक्षता' कार्यक्रम शिक्षकों को अपने शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन में नवीनता के समावेश के मार्गों को उद्घाटित करेगा।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम निदेशक प्रो. धनजी प्रसाद, सहायक निदेशक डॉ. अंकुश औंधकर और सहायक तकनीकी निदेशक डॉ. मयंक त्रिपाठी तथा केंद्र की टीम के कुशल समन्वय से संभव हुआ।

दिनांक 20 मई को कार्यक्रम का समापन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने फीडबैक में बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने अनेक विषयों पर नवीन तथा नवाचारी ज्ञान प्राप्त किया है।

केंद्रीय पुस्तकालय का संदर्शन

प्रो. प्रदीप कुमार जोशी (अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) एवं पूर्व अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग) ने संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय का संदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय के 'ज्ञानकोश' (डिजिटल रिपॉजिटरी) का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और 'इण्डकैट' (IndCat) के माध्यम से पुस्तकों की ऑनलाइन उपलब्धता एवं स्थिति की जानकारी ली एवं पुस्तकालय के इ-एक्सेस कक्ष का भी अवलोकन किया।

प्रो. प्रदीप कुमार जोशी एवं प्रो. सुरेंद्र दुबे ने 'केंद्रीय हिंदी संस्थान ज्ञानकोश' की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत मददगार साबित होगी। इस अवसर पर संस्थान के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सदस्य उपस्थित रहे।

पाठ्य पुस्तक निर्माण कार्यशाला आयोजित

अंतरराष्ट्रीय हिंदी शिक्षण विभाग कीविभागीय पाठ्य पुस्तक निर्माण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18-19 जून 2026 को संपन्न हुआ। यह दो दिवसीय कार्यशाला हिंदी भाषा दक्षता उच्च प्रमाण पत्र (300) पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित पाठ्य पुस्तक 'हिंदी भाषा की संरचना एवं अभ्यास' के निर्माण और उसकी गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का समन्वयन कार्यशाला संयोजक डॉ.अरविन्द कुमार रावत द्वारा किया गया, जबकि संपूर्ण कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. जोगेन्द्र सिंह मीणा के दिशा-निर्देशन में आयोजित हुआ।

इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. के. जी. कपूर उपस्थित रहे, जिन्होंने पुस्तक की विषय-वस्तु को समृद्ध करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस पुस्तक के लेखक डॉ कृष्ण कुमार पाण्डेय एवंडॉ. परमान सिंह हैं। लेखकोंने अपनी पुस्तक के मुख्य बिंदुओं को विषय विशेषज्ञ के सामने रखा। दो दिनों तक चले इस गहन विमर्श में शैक्षिक सदस्य डॉ. शमा ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और पुस्तक के व्यावहारिक पक्ष को मजबूत करने के लिए अपने उपयोगी सुझाव साझा किए।

कार्यशालाएँ आयोजित

कन्नड़-हिंदी पर्यायवाची शब्दकोश निर्माण संशोधन संबंधी प्रथम कार्यशाला दिनांक 06.04.2026 से 10.04.2026 तक केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा (मुख्यालय) में निम्नलिखित विषय विशेषज्ञों के साथ आयोजित की गई। इस कार्यशाला में प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल, संपादक, हिंदी विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, प्रो. संदीप रणधीरकर, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभागाध्यक्ष, केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक डॉ. श्रीधर हेंगड़े, हिंदी विभाग, फील्ड मार्शल, के. एम करियप्पा कॉलेज, मेंगलूर विश्वविद्यालय, मदिकेरी, कोडागु, कर्नाटक ने भाग लिया।

ओड़िआ लोक साहिय निर्माण संबंधी तृतीय कार्यशाला दिनांक 27.04.2026 से 29.04.2026 तक केंद्रीय हिंदी सस्थान, भुवनेश्वर केंद्र में निम्नलिखित विषय विशेषज्ञों के साथ आयोजित की गई है। इस कार्यशाला में डॉ. लक्ष्मीधर दास (ओड़िया भाषा संपादक), डॉ. गोविंद चन्द्र पेठोई, वरिष्ठ गवेषक, शास्त्रीय ओड़िया भाषा अध्ययन केंद्र, भुवनेश्वर, ने भाग लिया।

'हिंदी - कच्छी अध्येता कोश निर्माण संबंधी तृतीय कार्यशाला दिनांक 01.06.2026 से 05.06.2026 तक क्रान्ति गुरू श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ भूज (के.एस. के. वी.) गुजरात में निम्नलिखित विषय-विशेषज्ञों के साथ आयोजित की गई। इस कार्यशाला में प्रो. दीपेंद्र सिंह जाडेजा, हिंदी विभाग, बडौदा वि. वि गुजरात (हिंदी विशेषज्ञ) प्रो. कश्मीरा परेश मेहता, अंग्रेजी विभाग, ब्लाक डी के. एस. के. वी विश्वविद्यालय, भुज-कच्छ, गुजरात (कच्छी विशेषज्ञ) प्रो. लालजी मेवाड़ा 'स्वापन', 33 श्री बलराम अर्पामेंट जुबली सर्कल बैंकर्स कॉलोनी भुज, कच्छ, गुजरात (कच्छी विशेषज्ञ) डॉ. विनोद मालशी कट्वा, प्रभारी, आचार्य दाड़ा, दुग्याल कॉलेज, ऑफ ऐजुकेशन वार्ड 3/ए मैत्री विद्यालय कैंपस, गुजरात (कच्छी विशेषज्ञ) डॉ. सागर देसले, असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, श्री गोविंद गुरू विश्वविद्यालय, विंजोल, गुजरात (कच्छी विशेषज्ञ) ने भाग लिया। (चित्र संलग्न)

'तेलुगु लोक साहित्य' की सामग्री चयन, संकलन करने हेतु प्रथम कार्यशाला दिनांक 10.06.2026 से 12.06.2026 तक अपने कार्यक्षेत्र हिदी विभाग, मानविकी संकाय, हैदराबाद में निम्नलिखित विद्वानों/विशेषज्ञों के साथ आयोजित की गई। इस कार्यशाला में प्रो. अन्नपूर्णा सी, हिंदी विभाग, मानविकी विद्यापीठ, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलुगु भाषा विशेषज्ञ) डॉ. आत्माराम, सह आचार्य, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलुगु भाषा विशेषज्ञ) डॉ. जय शंकर बाबू, सह आचार्य हिंदी विभाग पाण्डुचेरी विश्वविद्यालय, पाण्डुचेरी (तेलुगु भाषा विशेषज्ञ) सुश्री पावना शर्मा, शोधार्थी, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (हिंदी भाषा विशेषज्ञ) श्रीमती शीला समुद्राला, शोधार्थी, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलुगु भाषा विशेषज्ञ) ने भाग लिया।

नवनिर्मित जलपान-गृह का उद्घाटन

संस्थान में आज दिनांक 30 अप्रैल, 2026 को एक विशेष गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के नवनिर्मित 'जलपान-गृह' (कैंटीन) का भव्य लोकार्पण प्रो. प्रदीप कुमार जोशी (अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) एवं पूर्व अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग) के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे एवं निदेशक महोदय प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी उपस्थित रहे।

हैदराबाद केंद्र

हिंदी भाषा संवर्धनात्मक कार्यक्रम समारोह

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र ने दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, कॉलेज ऑफ प्रचारक विद्यालय, (बी.एड.), खैरताबाद, हैदराबाद के बी.एड्.प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों के प्रशिक्षण के लिए दि. 02.04.2026 से दि. 14.04.2026 तक प्रथम 'हिंदी भाषा संवर्धनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया। इस शिविर का उद्घाटन दिनांक 02.04.2026 को किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री एम. राधाकृष्ण, सचिव (प्रभारी), दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, खैरताबाद, हैदराबाद के रूप में एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, शिक्षा महाविद्यालय, बीएड, खैरताबाद, हैदराबाद के प्राचार्य डॉ. के. चारूलता उपस्थित थीं। इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजक क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. फत्ताराम नायक, डॉ. दीपेश व्यास, डॉ. एस. राधा उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में कुल 55 (महिला-43, पुरुष-12) प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस शिविर का समापन दिनांक 14.04.2026 को किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने की।

495वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य के अनंतपुर जिले के हिंदी प्रचारकों के प्रशिक्षण के लिए दि. 25.04.2026 से दि. 08.05.2026 तक 495वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 25.04.2026 को किया गया।

यह कार्यक्रम केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री गैबुवली संस्थापक प्रधान सचिव, हिंदी सेवा सदन, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय सलाहकार हिंदी सेवा सदन महाविद्यालय, अनंतपुर एवं जेडपी हाईस्कूल गोला के हेडमास्टर श्री एमएमडी अजमतुल्ला उपस्थित थे।

इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजक क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. भास्कर कृष्णाजी ढुबे, डॉ. दीपेश व्यास, डॉ. सी. कामेश्वरी एवं श्री सजग तिवारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कुल 60 (महिला-50, पुरुष-10) प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि एस. गइबुवली ने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि देश में हिंदी के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित संस्था केंद्रीय हिंदी संस्थान, गैर-हिंदी भाषी क्षेत्र अनंतपुर के हिंदी सेवा सदन में हिंदी प्रशिक्षण कक्षाएँ आयोजित कर रही है।

उन्होंने कहा कि हिंदी प्रचारकों और शिक्षकों को इस अवसर का लाभ उठाकर हिंदी में अपना ज्ञान बढ़ाना चाहिए।

इस पाठ्यक्रम का समापन समारोह दिनांक दि. 08.05.2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के निदेशक डॉ. सुनील बाबुराव कुलकर्णी की अध्यक्षता में समापन समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप-डीईओ श्रीनिवास राव और हिंदी के विद्वान डॉ. काशीभटला मुरलीकृष्ण विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार श्री एस. गैबुवल्ली, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी ढुबे और अन्य भी उपस्थित थे।

496वें नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा पांडिचेरी केंद्र शासित प्रदेश के सरकारी एवं निजी विद्यालयों, हिंदी प्रचारकों के प्रशिक्षण के लिए 496वें नवीकरण पाठ्यक्रम' का आयोजन दिनांक 13.05.2026 से 23.05.2026 तक किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 13.05.2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी की अध्यक्षता में संपन्न किया गया।

इस अवसर पर दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा चेन्नई तथा त्रिची के कार्यकारी सदस्य सहायक प्रो. डॉ. एन. सेंदिल कुमार, केंद्रीय हिंदी संस्थान, मैसूर केंद्र के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक प्रो. एम. ज्ञानम, पाठ्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी ढुबे, डॉ. दीपेश व्यास एवं डॉ. एस. राधा उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में कुल 47 (महिला-42 पुरुष-05) प्रतिभागियों ने कक्षा में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस पाठ्यक्रम का समापन समारोह दि. 23.05.2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. हरिशंकर के अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

497वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा तमिलनाडु राज्य के तिरूचिरापल्ली जिले के हिंदी प्रचारकों के प्रशिक्षण के लिए 497वें नवीकरण पाठ्यक्रम का आयोजन दिनांक 28.05.2026 से दिनांक 09.06.2026 तक किया गया।

जिसका समापन समारोह दि. 09.06.2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. हरिशंकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा (टी.), त्रिची, तमिलनाडु की प्रभारी सचिव श्रीमती एन. अरविंदानायकी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा

(टी.), त्रिची, तमिलनाडु के श्री एस. नारायणन, कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजक केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी ढुबे, डॉ. दीपेश व्यास, डॉ. आर. विजयालक्ष्मी उपस्थित थी।

प्रतिभागियों द्वारा संस्थान गीत एवं स्वागत गीत प्रस्तुत करके कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम में कुल 61 (महिला-60 पुरुष-01) प्रतिभागियों ने कक्षा में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम का संचालन उषा एस. एवं आभार ज्ञापन एम. कौशल्या एवं एस. गायत्री द्वारा किया गया। इस पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने हस्तलिखित पत्रिका 'तिरूचिरापल्ली : तमिलनाडु का ह्रदय' की रचना की।

समापन समारोह के दौरान अतिथियों द्वारा हस्तलिखित पत्रिका का लोकार्पण किया गया।

"हिंदी भाषा संभाषण कैंप" कार्यक्रम आयोजित

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा तेलंगाना राज्य के निज़ामाबाद जिले के के.जी.बी.वी. स्कूल के 9वीं एवं 10वीं कक्षा की छात्राओं के प्रशिक्षण के लिए प्रथम ''हिंदी भाषा संभाषण कैंप'' का आयोजन दिनांक 15.06.2026 से दिनांक 19.06.2026 तक किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 15.06.2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. हरिशंकर की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में निज़ामाबाद के रूदूर गाँव की सरपंच सुश्री इंदूर सुनिता चंद्रशेखर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में निज़ामाबाद के मंडल शिक्षा अधिकारी श्री के. रामसिंह उपस्थित थे। पाठ्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी ढुबे, डॉ. दीपेश व्यास एवं श्री शेख मस्तान वली उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कुल 50 (बालिका/छात्राएँ) प्रतिभागियों ने कक्षा में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस पाठ्यक्रम का समापन समारोह दि. 19.06.2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. हरिशंकर के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निज़ामाबाद की स्पेशल ऑफिसर सुश्री बी. श्यामला उपस्थित थीं।

इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती एम. श्रीदेवी द्वारा किया गया। समापन समारोह के दौरान प्रतिभागी छात्राओं को अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। संभाषण कैंप में अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त संभाषण कौशल आधारित 1. हिंदी हमारी पहचान हमारी शान, 2. हिंदी दिवस का महत्व, 3. हिंदी साहित्य के अनमोल रत्न, 4. हिंदी साहित्य और राष्ट्रीय एकता विषय पर प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल श्रीमती एम. श्रीदेवी, डॉ. दीपेश व्यास एवं डॉ. भास्कर कृष्णाजी ढुबे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें 13 छात्राओं ने भाग लिया।

एस. निहारिका को प्रथम पुरस्कार रु.2000/-, एस. के. अकलीम नाज़ को द्वितीय पुरस्कार 1500/-, एन. लावण्या को तृतीय पुरस्कार रु.1000/- प्रदान किए गए। अंत में राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन हुआ।

शिलांग केंद्र

193वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित

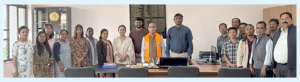

केंद्रीय हिंदी संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र शिलांग द्वारा मेघालय राज्य के पश्चिम खासी हिल्स तथा पूर्वी पश्चिम खासी हिल्स जिले के हिंदी शिक्षकों के लिए 193वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम 20 अप्रैल से 2 मई, 2026 तक S.D.S.E.O कार्यालय मैरांग में आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम के कुल 22 प्रतिभागी शिक्षकों (13 पुरुष एवं 09 स्त्री) ने सहभागिता की।

इस पाठ्यक्रम के उद्घाटन समारोह का आयोजन केंद्रीय हिंदी संस्थान के शिलांग परिसर में किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार चौबे, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. पार्थ सारथी पाण्डेय, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग केंद्र ने की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक महोदय ने मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार चौबे का स्वागत-सम्मान संस्थान के अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ से किया। इस कार्यक्रम का संचालन अतिथि अध्यापक श्री आकाश कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन अतिथि अध्यापिका सुश्री लख्मी रानी बोरा ने किया।

194वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित

हिंदी मात्र भाषा नहीं, राष्ट्रीय एकता का माध्यम है : श्री शिबुन लिंगदोह

केंद्रीय हिंदी संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र शिलांग द्वारा मेघालय राज्य के पूर्वी जयंतिया हिल्सजिले के हिंदी शिक्षकों के लिए आयोजित 194वाँ हिंदी शिक्षक नवीकरण पाठ्यक्रमका आयोजन दिनांक 18.05.2026 से 30.05.2026 तकपूर्वी डखिया माध्यमिक विद्यालय, खलेहरीयात, मेघालय में किया गया। इस पाठ्यक्रम में प्रतिभागी शिक्षकों का पंजीकरण तथा उनके ज्ञान के आकलन के लिए पूर्व परीक्षण दिनांक 18.05.2026 को किया गया। तत्पश्चात विधिवत कक्षाएं प्रारंभ हुई।

नवीकरण पाठ्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री शिबुन लिंगदोह, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान के शिलांग केंद्र के निदेशक प्रो. पार्थ सारथी पाण्डेय ने की।

भारतीय भाषा परिवार और पूर्वोत्तर का हिंदी साहित्य विविध आयाम

केंद्रीय हिंदी संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र दीमापुर, हिंदी विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, मणिपुर प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 08 मई 2026 को ₹भारतीय भाषा परिवार और पूर्वोत्तर का हिंदी साहित्य विविध आयाम₹ विषय पर लघु बजटीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का आयोजन मणिपुर विश्वविद्यालय के कोर्ट हॉल में किया गया तथा प्रतिभागियों की अधिक संख्या को देखते हुए कॉन्फ्रेंस हॉल एवं व्याख्यान कक्ष (आनलाईन माध्यम) हिंदी विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय में समानांतर सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अखिलेश कुमार शंखधर, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय; प्रो. डब्ल्यू. चाँद बाबू सिंह, माननीय कुलपति, धनमंजुरी विश्वविद्यालय; प्रो. सुमित्रा फन्जौबम, माननीय कुलपति (प्रभारी), मणिपुर विश्वविद्यालय तथा प्रो. तोइजम तम्फा देवी, अधिष्ठाता, मानविकी संकाय, मणिपुर विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

केंद्रीय हिंदी संस्थान की ओर से डॉ. थुन्बुई ने शैक्षिक सहभागिता सुनिश्चित की तथा संस्थान की ओर से वित्तीय भुगतान एवं समायोजन संबंधी कार्यों हेतु श्री विपुल कुमार ने सहयोग प्रदान किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. थुन्बुई द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दीमापुर केंद्र

हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यशाला

केंद्रीय हिंदी संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र. दीमापुर तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के. वी.आई.सी.), दीमापुर के संयुक्त तत्वावधान में पाँच दिवसीय हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08 जून से 12 जून 2026 तक के.वी. आई.सी. परिसर, दीमापुर में किया गया। कार्यशाला का आयोजन प्रतिदिन अपराह्न 02:00 बजे से 05:00 बजे तक किया गया।

इस कार्यशाला में श्री विपुल कुमार, ने मुख्य प्रशिक्षक एवं कार्यक्रम संयोजक के रूप में प्रतिभागियों को हिंदी टंकण एवं हिंदी भाषा के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री मुकेश सागर, सहायक निदेशक, के. वी.आई.सी. एवं राजभाषा प्रभारी की विशेष भूमिका रही।

159वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के क्षेत्रीय केंद्र भुवनेश्वर द्वारा ओडिशा राज्य के जाजपुर जिले के अंतर्गत हिंदी शिक्षा संस्थान, जाजपुर के हिंदी प्रचारकों के लिए दि. 18.05.2026 से 29.05.2026 तक 159 वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम गरियापुर यू.जी. यू.पी. स्कूल, जाजपुर टाउन में आयोजित किया गया। इसमें कुल 91 (74 महिला व 17 पुरुष) प्रतिभागी सम्मिलित हुए। उद्घाटन समारोह में अध्यक्ष के रूप में संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक एवं पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. रंजन कुमार दास तथा मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सरोजिनी नायक एवं अन्य विशिष्ट/सम्मानित मंचासीन अतिथि सभापति, डॉ. चंद्र प्रताप सिंह, (विषय विशेषज्ञ) हैदराबाद, डॉ. रवि शतपथी (सचिव), डॉ. बेणुधर महाराणा (उप सभापति), श्री जहीरुद्दीन खान (संयोजक) हिंदी शिक्षा संस्थान, जाजपुर, ओड़िशा उपस्थित रहे। दिनांक 29.05.2026 को समापन समारोह की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रंजन कुमार दास ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सरोजिनी नायक, विशिष्ट/अतिथि डॉ. अजीत प्रसाद महापात्र, डॉ. चंद्र प्रताप सिंह, डॉ. रवि शतपथी, डॉ. बेणुधर महाराणा उपस्थित रहे।

प्रवेश परीक्षा

भुवनेश्वर केंद्र

संस्थान द्वारा संचालित द्विवर्षीय हिंदी शिक्षण निष्णात, पारंगत एवं प्रवीण (प्रथम वर्ष) पाठ्यक्रम सत्र : 2026-28 में प्रवेश के लिए दिनांक 24 मई, 2026 (रविवार) समय प्रातः 10.00 बजे से 01.00 बजे तक KISS (Kalinga Institute of Social Science), भुवनेश्वर, ओड़िशा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इसमें केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रंजन कुमार दास, अनुबंध कार्मिक श्री विवेकानंद विश्वकर्मा (लिपिक), श्री शेख नसीमुद्दीन (MTS), श्री अजय कुमार सिंह (MTS) एवं श्री संतोष कुमार राणा (MTS) तथा मुख्यालय आगरा से प्रतिनियुक्त श्री पवन कुमार मेहरोत्रा, गोपनीय सहायक उपस्थित थे।

160 एवं 161वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम

नवीकरण पाठ्यक्रम केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के क्षेत्रीय केंद्र-भुवनेश्वर द्वारा ओडिशा राज्य के खोर्धा जिले के अंतर्गत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के हिंदी शिक्षकों के लिए दि. 02.06.2026 से 13.06.2026 तक 160 वाँ व 161 वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम को मर्ज करके सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, विशिआपड़ा, तिरिमल, जटनी, जिला-खोर्धा में आयोजित किया गया।

इसमें कुल 102 (72 महिला व 30 पुरुष) प्रतिभागी सम्मिलित हुए। नवीकरण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, भुवनेश्वर केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक एवं पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. रंजन कुमार दास ने की। उपरोक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशेष व्याख्यान हेतु आमंत्रित श्री नलिनीकांत पंडा (सेवानिवृत्त खोदा, खोर्धा जिला संकुल प्रमुख, शिक्षा विकास समिति (विद्या भारती, ओड़िशा)), सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित श्रीनिवास बलियारसिंह (संपादक, शिक्षा विकास समिति, खोर्धा), श्री प्रभाकर स्वाईं (सह-प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु विद्यांदिर, खोर्धा), श्री मनोज कुमार पहंसतासिंह (कोष अध्यक्ष, सरस्वती शिशु विद्यामंदिर, विशिआपड़ा, तिरिमल, खोर्धा) एवं खोर्धा जिले के अंतर्गत सरस्वती शिशु विद्यामंदिर के हिंदी शिक्षक उपस्थित रहे। नवीकरण कार्यक्रम के समापन समारोह दिनांक 13.06.2026 को सम्पन्न हुआ।

गुवाहाटी केंद्र

२८२वाँ नवीकरण कार्यक्रम

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 03 जून 2026 से 13 जून 2026 तक सिक्किम राज्य के गंगटोक जिले के सेवारत प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के लिए 282वाँ हिंदी शिक्षण नवीकरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दस दिवसीय नवीकरण पाठ्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 3 जून 2026 को पीएम श्री सर ताशी नामग्याल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डेवेलपमेंट एरिया, गंगटोक के सभागार में उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चन्द्रशेखर चौबे, क्षेत्रीय निदेशक, गुवाहाटी केंद्र, डॉ. थुन्बुई, क्षेत्रीय निदेशक, दीमापुर केंद्र तथा डॉ. दिनेश साहू, सहायक प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह के अध्यक्ष आदरणीय प्रो. हरिशंकर, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने ऑनलाइन माध्यम से सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा विभाग, गंगटोक के संयुक्त निदेशक श्री बासुदेव अधिकारी मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सरोजा प्रधान, प्राचार्य, पीएम श्री सर ताशी नामग्याल उ० मा० विद्यालय, गंगटोक उपस्थित रहीं।

मुख्यालय सहित सभी केंद्रों पर धूम-धाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा मुख्यालय पर दिनांकः 21.06.2026 को 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी दुबे एवं केंद्र के सभी सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग केंद्र परिसर में योग दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 21.06.2026 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर भुवनेश्वर केंद्र पर प्रातः 6.15 से 7.35 बजे तक योग कार्यक्रम किया गया।

दिनांक 21 जून, 2026 को केंद्र पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।

अहमदाबाद केंद्र

हिंदी भाषा संचेतना शिविर का आयोजन

केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, अहमदाबाद केंद्र द्वारा 15 से 27 जून 2026 तक 'मनीबेन, भीखाभाई कामर्स एण्ड श्री.जी. एम. एन. एल आर्ट्स कॉलेज देहगाम', गुजरात में 'हिंदी भाषा संचेतना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातक वर्ग के ऑर्ट्स एण्ड कामर्स विषय के 57 छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रक्षिक्षण प्रदान किया गया। दिनांक 16 जून 2026 को '12 दिवसीय 'हिंदी भाषा संचेतना शिविर', का विधिवत उद्घाटन हुआ। डॉ. हितेशकुमार भट्ट, प्राचार्य, आर्ट्स एण्ड कमएस कॉलेज देहगाम, ने मुख्य अतिथि के रूप में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अभीप्सा पंड्या, की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। पाठ्यक्रम संयोजक, डॉ. सुनील कुमार, क्षेत्रिय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, अहमदाबाद केंद्र, और आट्र्स एण्ड कमएस कॉलेज देहगाम के प्रतिनिधि डॉ. रवींद्र अमीन, उप-प्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष, ने भी अपना मंच से अपना संबोधन प्रदान किया। अतिथि अध्यापक के रूप में डॉ. गिरीश बंजार और डॉ. वंदना पांडे, ने भी मंच से अपने विचार रखे।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अभीप्सा पंड्या, निदेशक, एम. पी. पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश, देहगाम, की उपस्थित रही।

दिल्ली केंद्र

"भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी : हिमालयी लोक ज्ञान के आयाम"

राष्ट्रीय संगोष्ठी

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा तथा इंटरनल विश्वविद्यालय, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 मई, 2026 को "भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी : हिमालयी लोक ज्ञान के आयाम" विषयक एक दिवसीय लघु बजटीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों तथा विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र की लोकज्ञान-परंपराओं को हिंदी भाषा एवं साहित्य के माध्यम से समझना, संरक्षित करना तथा समकालीन संदर्भों में उनकी प्रासंगिकता पर विमर्श करना था।

संगोष्ठी में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के दिल्ली केंद्र से प्रतिनियुक्त डॉ. साकेत बहुगुणा ने विषय-प्रवर्तक के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा, हिंदी भाषा तथा हिमालयी लोकज्ञान के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्थानीय ज्ञान-परंपराओं का संरक्षण और उनका अकादमिक अध्ययन राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। तकनीकी सत्रों में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शोध संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संगोष्ठी में 25 से अधिक शोध-पत्रों का वाचन किया गया। प्रस्तुत शोध-पत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा, लोक साहित्य, हिमालयी संस्कृति, लोकभाषाएँ, पर्यावरणीय चेतना, शिक्षा, दर्शन, योग, आयुर्वेद तथा हिंदी साहित्य से संबंधित विविध विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। सांयकालीन सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ दीपिका नेगी द्वारा किया गया।

पृष्ठ 1 का शेष

साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद आदि प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गये। कार्यक्रम में प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, मुख्य अतिथि प्रो. रमाशंकर दुबे, कुलाधिपति, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), नई दिल्ली एवं प्रो. सुरेंद्र दुबे, उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा ने अपने वक्तव्यों से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि 'अ' से आरंभ और अंत दो शब्द शुरू होते हैं संस्थान में जब विद्यार्थी आए तो शैक्षिक जीवन का आरंभ हुआ और जब जा रहे हैं तो शैक्षिक जीवन का विश्राम है, अंत नहीं क्योंकि सीखने का कभी अंत नही होता। विभाग के अध्यनरत शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीगईं। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष, प्रो. चंद्रकांत कोठे द्वारा हिंदी शिक्षण निष्णात (द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर), हिंदी शिक्षण पारंगत (द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) तथा हिंदी शिक्षण प्रवीण (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) के कक्षा प्रतिनिधियों, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं क्रीडा प्रतिनिधियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया।

प्रकाशन विभाग

संस्थान में प्रकाशनों की बिक्री से संबंधित भुगतान को ऑनलाइन स्वीकार करने की सुविधा उपलब्ध है इसके लिए पृथक से खाता खोला गया है। क्यू आर कोड के माध्यम से भी भुगतान किया जा सकता है। खाता विवरण इस प्रकार है-

Account Holder's Name:
THE KENDRIYA HINDI SHIKSHANA MANDAL AGRA
Account Number : 42583260224
IFSC : SBIN0017686
MICR : 282002047
Branch : KHANDARI CROSSING AGRA

नोटः 1. संस्थान की प्रकाशन सूची संस्थान वेबसाईट www.hindisansthan.in पर उपलब्ध है।
2. सूची में से चयनित पुस्तकों का क्रयादेश ई-मेल publicationman-agerkhs@gmail.com पर भेजा जा सकता है।

Merchant Name : THE KENDRIYA HINDI SHIKHSANA MANDAL
UPI ID : thekhsmagra@sbi

“पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण”

तेलंगाना राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण की प्रतिमा का किया अनावरण।

दिनांक 08.04.2026 को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के संस्थापक पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण जी की आवक्ष प्रतिमा एवं उनकी जीवनी का लोकार्पण केंद्रीय हिंदी संस्थान, बापूजी नगर, बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद में माननीय श्री राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल जी के करकमलों द्वारा किया गया। उन्होंने पद्म भूषण डॉ. मोटूरी सत्यनारायण को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्रीय एकता के प्रबल समर्थक के रूप में याद किया।

इस अवसर पर उनकी जीवनी तथा संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका ‘समन्वय दक्षिण’ का भी विमोचन किया गया। अपने संबोधन में श्री शुक्ल ने कहा कि तेलुगु भाषी होते हुए भी डॉ. सत्यनारायण ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया और इसके प्रचार-प्रसार के लिए उत्तर भारत तक गए। उन्होंने आगरा में केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी के प्रचार और राष्ट्रीय चेतना जगाने के कारण डॉ. सत्यनारायण को कारावास भी झेलना पड़ा, लेकिन उनका संकल्प अडिग रहा। राज्यपाल ने कहा कि संविधान सभा में डॉ. सत्यनारायण ने भारतीय भाषाओं के विकास और हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने में अहम योगदान दिया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल की स्थापना कर अपने विचारों को आगे बढ़ाया। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. सत्यनारायण ने कभी हिंदी को थोपने का प्रयास नहीं किया, बल्कि इसे संवाद और समन्वय की भाषा के रूप में बढ़ावा दिया। उनका जीवन राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय और भाषाई सौहार्द का प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुळकर्णी, डॉ. मोटूरि सत्यनारायण की पुत्री सुजाता कुमार, शासी परिषद के सदस्य प्रो. आर.एस. सर्राजू, शासी परिषद के सदस्य प्रो. जोगेंद्र सिंह बिसेन, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फत्ताराम नायक, डॉ. भास्कर ठुबे, डॉ. एस. राधा, डॉ. दीपेश व्यास, सेवानिवृत्त पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, प्रो. गंगाधर वानोडे, प्रो. वाई. शकुंतलम्मा रेड्डी, डॉ. अनीता गांगुली, डॉ. माणिक्यांबा मणि, आकाशवाणी कार्यक्रम प्रभारी सौमा कुमारी, प्रो. वी. रामकोटी, श्रीमती जानकी, डॉ. के. चारुलता, प्रो. श्यामराव, प्रो. भगवान गव्हाडे, डॉ. राजश्री, डॉ. आत्माराम, डॉ. राजेंदर, डॉ. अपर्णा मोरे, डॉ. प्रकाश कोपर्डे, डॉ. जे. मिश्रा, डॉ. कामेश्वरी, डॉ. राजीव सिंह, डॉ. संदीप कुमार, श्री शेख मस्तान वली, श्री सजग तिवारी, डॉ. श्यामसुंदर मूंदड़ा, डॉ. प्रदीप दत्त, डॉ. साकेत सहाय, देवकांत पवार, डॉ. श्रुतिकांत भारती, राज्यपाल सचिवालय के अधिकारी तथा अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय निदेशक डॉ. फताराम नायक ने किया। समापन डॉ. भास्कर दूबे के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

संरक्षक
प्रो. सुरेन्द्र दुबे

प्रधान संपादक
प्रो. हरिशंकर

संपादक
प्रो. अपर्णा सारस्वत

टाइप सेटिंग
योगेन्द्र सिंह राणा

मुद्रक : एजुकेशनल स्टोर्स, गाजियाबाद (उ.प्र.)

संस्थान समाचार में प्रकाशित समाचारों का स्रोत केंद्रीय हिंदी संस्थान के विभिन्न विभागों/केंद्रों से प्राप्त सामग्री है। संस्थान समाचार के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव संपादक के पास भेज सकते हैं।
संस्थान समाचार का ई-मेल: sansthansamacharkhs2021@gmail.com

सचिव, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल आगरा-282005 द्वारा वितरण हेतु दिल्ली केंद्र से प्रकाशित।